सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई, गोकुल में बाजत बधाई

सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई, गोकुल में बाजत बधाई:

सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,
गोकुल में बाजत बधाई,

कंचन कलश होम द्विज पूजा,
होत चन्दन भवन लिपाई,
गोकुल में बाजत बधाई,
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,

नन्द गावैं नाचें अन्न धन लुटावैं,
देखि यशुमति अति हरषाई,
गोकुल में बाजत बधाई,
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,

ग्वाल बाल सजि धजि संग गोपिन,
शुभ मंगल गीत गवाई,
गोकुल बाजत बधाई,
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,

धन्य धन्य गोकुल नर नारी,
हरि चरण कमल रज पाई,
गोकुल में बाजत बधाई,
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,

हरि दरसन देवन सब धाये,
सखी महिमा बरन न जाई,
गोकुल में बाजत बधाई,
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,
गोकुल में बाजत बधाई,

आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6579/title/sakhi-prakate-krishna-kanhayee-gokul-men-bajat-badhayee

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |